मै0 त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज लि0, ग्राम साबितगढ़, तहसील खुर्जा, जनपद बुलन्दशहर द्वारा कार्यस्त चीनी ईकाई में प्रस्तावित आसवानी इकाई, जिसकी क्षमता–160 के0एल0डी0, जो कि 100 प्रतिशत मोलोसिस आधारित अथवा 120 के0एल0डी0 मोलेसिस आधारित एवं 40.0 के0एल0डी0 ग्रेन आधारित एवं 7.0 मेगावाट क्षमता का सह ऊर्जा प्लान्ट स्थापित किये जाने के प्रस्ताव पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) बुलन्दशहर की अध्यक्षता में दिनांक 26.06.2018 को अपरान्ह 03:00 बजे उद्योग स्थल पर आयोजित लोकसुनवाई का कार्यवृत्त।

उपरोक्त संन्दर्भित विषयक के सम्बन्ध में मै0 त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज लि0, ग्राम साबितगढ़, तहसील खुर्जा, जनपद–बुलन्दशहर द्वारा प्रस्तावित आसवानी इकाई की क्षमता–160 के0एल0डी0, जो कि 100 प्रतिशत मोलोसिस आधारित अथवा 120 के0एल0डी0 मोलेसिस आधारित एवं 40.0 के0एल0डी0 ग्रेन आधारित एवं 7.0 मेगावाट क्षमता का सह ऊर्जा प्लान्ट स्थापित किये जाने के प्रस्ताव/ आवेदन पत्र सम्यक् विचारोपरान्त राज्य बोर्ड द्वारा जारी पत्र संख्याः एच19428/सी–4/एनओसी–205/लोक सुनवाई/18 दिनांक 04.05.2018 के अनुपालन में लोकसुनवाई आयोजित करने हेतु, जिलाधिकारी महोदय, बुलन्दशहर द्वारा दिनांक 26.06.2018 समय अपरान्ह 03:00 बजे नियत करते हुये लोकसुनवाई की अध्यक्षता हेतु अपर जिलाधिकारी (प्रंशासन), बुलन्दशहर को नामित किया गया। पर्यावरण एवं वन मन्त्रालय, भारत सरकार, द्वारा पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम 1986 की धारा–3 की उपधारा (1), (2) के खण्ड के अन्तर्गत पर्यावरण समाधान निर्धारण अधिसूचना संख्याःएस0ओ0–1533 दिनांक 14.09.2016 यथासंशोधित अधिनियम संख्याः एस0ओ0 3067 (ई) दिनांक 01.12.2009 में वर्णित प्राविधानों के अनुसार नियत दिनांक से एक माह पूर्व हिन्दी दैनिक समाचार अमर उजाला व हिन्दुस्तान (हिन्दी) में दिनांक 18.05.2018 को प्रकाशित कराया गया था।

तत्क्रम में आज दिनांक 26.06.2018 को अपर जिलाधिकारी (प्रशासन), बुलन्दशहर की अध्यक्षता में लोक सुनवाई का आयोजन मै0 त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज लि0, ग्राम साबितगढ़, तहसील खुर्जा, जनपद बुलन्दशहर के परिसर में आयोजित की गयी, उक्त लोकसुनवाई में मुख्य रूप से निम्निलिखित सदस्य उपस्थित थे।

1. श्री अरविन्द कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी, (प्रशासन)/अध्यक्ष, बुलन्दशहर।
2. श्री जी0एस0 श्रीवास्तव, क्षेत्रीय अधिकारी, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, बुलन्दशहर।
3. श्रीमती रितू पूनिया, उपजिलाधिकारी, खुर्जा, जनपद–बुलन्दशहर।
4. श्री आशुतोष चौहान, सहायक पर्यावरण अभियन्ता, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, बुलन्दशहर।
5. श्री नरेशपाल, मुख्य महाप्रबन्धक, मै0 त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज लि0, ग्राम साबितगढ़, तहसील खुर्जा, जनपद बुलन्दशहर।
6. श्री एस0सी0 गर्ग, अपर सांख्यिकी अधिकारी, जिला उद्यम प्रोत्साहन केन्द्र, बुलन्दशहर।
7. श्री राजकुमार, राजस्व निरीक्षक, जिला पंचायत, बुलन्दशहर।
8. श्री कुँवर संतोष कुमार, अवर अभियन्ता, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, बुलन्दशहर।
9. डा0 मनोज गर्ग, परामर्शी इन्वायरनमेन्टल एण्ड टेक्निकल रिसर्च सेन्टर, गोमती नगर, लखनऊ।
10. आसपास के क्षेत्र के ग्रामवासी एवं गणमान्य व्यक्ति।

क्षेत्रीय अधिकारी, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, बुलन्दशहर द्वारा अध्यक्ष महोदय से अनुमति प्राप्त कर लोकसुनवाई की कार्यवाही प्रारम्भ की गयी। लोकसुनवाई में उपस्थित सदस्यों एवं आस–पास से आये जनसमुदाय को लोकसुनवाई के सम्बन्ध में अवगत कराते हुये प्रस्तवित परियोजना के सम्बन्ध में विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया।

अग्रेतर क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा मै0 त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज लि0, ग्राम साबितगढ़, तहसील खुर्जा, जनपद बुलन्दशहर में प्रस्तावित आसवानी इकाई के सम्बन्ध में परामर्शी को विस्तृत

Scanned by CamScanner

विवरण प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया तथा उपस्थित जनसमुदाय को टीका टिप्पणियां/सुझाव प्रस्तुत किये जाने हेतु अनुरोध किया गया।

परामर्शी डा0 मनोज गर्ग, इन्वायरनमेन्टल एण्ड टेक्निकैल रिसर्च सेन्टर, गोमती नगर, लखनऊ द्वारा आसवानी इकाई की स्थापना क्षमता–160 के0एल0डी0, जो कि 100 प्रतिशत मोलोसिस आधारित होगी अथवा 120 के0एल0डी0 मोलेसिस आधारित एवं 40.0 के0एल0डी0 ग्रेन आधारित होगी के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी जो निम्नवत है।

पर्यावरण परामर्शी द्वारा अवगत कराया गया कि आसवानी इकाई की छमता–160 के0एल0डी0, जो कि 100 प्रतिशत मोलोसिस आधारित अथवा 120 के0एल0डी0 मोलैसिस आधारित एवं 40.0 के0एल0डी0 ग्रेन आधारित होगी, जिसमें पर्यावरण को बचाने के लिये हमारे द्वारा क्या क्या व्यवस्था की गयी है तथा क्या–क्या तकनीक लेकर आये है, श्री मनोज गर्ग ने कृषकों को जानकारी दी कि इस इकाई के लगने से चीनी मिल परिक्षेत्र के पर्यावरण को किसी भी तरह का कोई नुकसान/हानि नहीं होगी क्यों कि यह शून्य उत्प्रवाह निकालने वाली इकाई लगाई जा रही है। श्री मनोज गर्ग द्वारा क्षेत्र के कृषकों को बताया गया कि इस ईकाई से उत्पन्न होने वाले स्पेन्टवाश को सान्द्रित कर बैगास/राइस हस्क में मिला कर जला दिया जाएगा। इस ईकाई को लगाने में लगभग रू0 55 करोड़ खर्च होगा। इस इकाई के लगने से हम बिजली उत्पादन के स्तर को और बेहतर बना सकते है। साथ ही साथ ही श्री मनोज द्वारा कृषकों को जानकारी दी गई कि इस ईकाई से जो राख निकलेगी उसमें पोटाश की मात्रा अधिक होती है, जिसको कृषक खेतों में डाल कर पोटाश की कमी को दूर कर सकते हैं। उक्त प्रस्तावित परियोजना मे जल का प्रयोग वाष्प जनन हेतु किया जायेगा। परियोजना शून्य उत्प्रवाह निस्तारण प्रणाली पर आधारित होगी एवं प्रस्तावित इकाई से औद्योगिक उत्प्रवाह किसी भी दशा में उद्योग परिसर के बाहर निस्तारित नहीं किया जायेगा।

ब्वायलर में ईधन के रूप में बगास व कन्सट्रेटर्ड स्पैण्टवाश का प्रयोग किया जायेगा। ब्वायलर में ईधन के दहन से उत्सर्जित उत्सर्जन के निस्तारण हेतु 60 मीटर ऊंची चिमनी के माध्यम से निस्तारित किया जाना प्रस्तावित है तथा वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु ई.एस.पी. (इलेक्ट्रोस्टेटिक प्रेसीपीटेटर) लगाया जायेगा। इस तरह से कोई वायु प्रदूषण समस्या नहीं है। इकाई के लगने से लोगों को रोजगार के अवसर मिलेगें। परामर्शी द्वारा लोकसुनवाई मे उपस्थित जनसमुदाय को टीका टिप्पणियों/सुझाव प्रस्तुत किये जाने हेतु अनुरोध किया गया।

श्री बाबूलाल पूर्व प्रधान, ग्राम साबितगढ़, तहसील खुर्जा, जनपपद बुलन्दशहर द्वारा सुझाव दिया गया कि नजदीक के ग्राम साबितगढ़ व अटेरना के कृषकों द्वारा इस चीनी मिल को लगाने में अपनी–अपनी जमीने दी हैं तथा उनकी जमीनों में लगने वाले उद्योगों में उनके बच्चों को भी नौकरी मिलनी चाहिए। मै0 त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज लि0 में नई इकाई का लगना हमारा सौभाग्य होगा।

श्री नरेश पाल, मुख्य महाप्रबन्धक द्वारा बताया गया कि यह ईकाई पर्यावरण मंत्रालय एवं केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा निर्धारित प्रदूषण नियन्त्रण के मानकों के अनुरूप ही बनाई जाएगी जिससे इस क्षेत्र में प्रदूषण की समस्या बिल्कुल नहीं होगी।

श्री हरपाल सिंह, ग्राम साबितगढ़, तहसील खुर्जा, जनपपद बुलन्दशहर द्वारा साबितगढ़ के पूर्व प्रधान श्री बाबूलाल की बात को काटते हुए कहा कि किसी भी अच्छे काम को करने के लिए क्षेत्र के लोगों की अच्छी बुरी दोनों ही बाते सुनने को मिलती है परन्तु अच्छे कार्य का परिणाम भी सुखदायी होता है। इस उद्योग से लगने से हमारे क्षेत्र का विकास ही होगा।

श्री प्रेम पाल सिंह, कृषक, ग्राम रामवास, तहसील–खुर्जा, जनपद बुलन्दशहर द्वारा कहा गया कि चीनी मिल साबितगढ़ के लगने से हमारे क्षेत्र का विकास हुआ है। उन्होनें यह भी कहा कि आसवनी लगाने में पर्यावरण प्रदूषण को रोकने में सभी मानकों /मापदण्डों का प्रयोग किया जा रहा है तो इससे

Scanned by CamScanner

हमारे क्षेत्र में पर्यावरण प्रदूषण की कोई समस्या नही रहेगी। इस ईकाई से लगने से रोजगार के अवसर भी प्राप्त होगें।

श्री ठाकुर बुद्धपाल सिंह, ग्राम मधूपुरा, तहसील–खुर्जा, जनपद बुलन्दशहर द्वारा सभी का आभार व्यक्त करते हुये कहा गया कि मै0 त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज लि0, ग्राम साबितगढ़, तहसील खुर्जा, जनपद बुलन्दशहर के लगने से हमारी तकदीर बदल जायेगी, जहॉ लोग आने–जाने में कतराते थे। अब यहॉ चहल– पहल रहती है। साथ में यह भी बताना चाहता हूँ कि श्री नरेशपाल सिंह द्वारा बहुत अच्चा व्यवहार किया जाता है। हम लोगों को चीनी मिल के साथ मिलकर चलना चाहिए।

श्री हरेन्द्र सिह, ग्राम साबितगढ़, तहसील–खुर्जा, जनपद बुलन्दशहर द्वारा सुझाव दिया गया कि कृषकों द्वारा अपनी जमीन चीनी मिल को उद्योग लगाने हेतु दी है तथा क्षेत्र के कृषकों को बताना चाहूंगा कि बिना कष्ट उठाए जीवन में कामयाबी नहीं मिलती। यदि इस ईकाई के लगने के कारण हमें कोई अनअपेक्षित परेशानी आती है तो हम उस कष्ट को सहने के लिए तैयार है क्यों कि इतिहास गवाह है कि कष्ट सहने के बाद ही सफलता मिलती है। इस आसवानी इकाई के लगने से देश व क्षेत्र का विकास होगा, जीवन यापन के संसाधन बढेगें।

श्री हरिओम राघव, पूर्व प्रधान, ग्राम बनैल, तहसील–खुर्जा, जनपद बुलन्दशहर द्वारा पूँछा गया कि चीनी मिल का पानी ग्राम–खण्डार के पास काली नदी जाकर गिरता है, जिससे बारिश के दिनों में परेशानी होती है। क्यों न उसके लिये आर0सी0सी0 का पक्का नाला बनाया जाये, जिससे गन्दगी से निजात मिल सके तथा चीनी मिल से लगे हुये गॉवों में मच्छरों की वजह से बिमारियॉ होती है। मच्छरों मारने की दवाई का छिड़काव कराने का अनुरोध किया गया, जिससे स्वच्छता की अलख जगे। दूसरा हम किसानों की सोसाइटी बनाने पर भी जोर दिया गया, उन्होनें कहा कि सोसायटी के बनने से क्षेत्र में विकास होगा और क्षेत्र विकास हेतु जो भी पैसा अपने क्षेत्र में ही खर्च होगा।

श्री नरेश पाल ईकाई प्रमुख मै0 त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज लि0, ग्राम साबितगढ़, तहसील खुर्जा, जनपद बुलन्दशहर द्वारा अवगत कराया गया कि हम नाले को पक्का बनाने का भरसक प्रयास करेगे। गॉवों में मच्छरों के लिये कीटनाशक दवाईयों का छिड़काव किया जाता है तथा निरन्तर नियमित रूप से छिड़काव किया जायेगा।

श्री हरेन्द्र सिह, ग्राम साबितगढ़, तहसील–खुर्जा, जनपद बुलन्दशहर द्वारा कहा गया सोसायटी के लिए महासंघ गठित हो चुका है परन्तु सरकार ने अभी कोई भी नई सोसायटी गठित करने पर रोक लगा रखी है। उनके द्वारा बताया गया कि सोसायटी गठित करने सम्बन्धी फाईल पूर्ण रूप से तैयार है और लखनऊ निदेशक को प्रेषित की गयी है।

प्रतिउत्तर मे श्री प्रदीप शर्मा, एडवोकेट, ग्राम साबितगढ़, तहसील–खुर्जा, जनपद बुलन्दशहर द्वारा कहा गया मै0 त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज लि0 के लगने से स्थानीय लोगों को नौकरियॉ दी जायेगी अथवा नहीं। क्योकि चीनी से होने वाले प्रदूषण को हम लोगों ही झेलते है तो नौकरियॉ भी हमें ही दी जाये।

श्री नरेश पाल ईकाई प्रमुख मै0 त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज लि0, ग्राम साबितगढ़, तहसील खुर्जा, जनपद बुलन्दशहर द्वारा अवगत कराया गया कि पहले भी कहा जा चुका है पद की योग्यतानुसार यदि कोई भी व्यक्ति गॉव में होगा तो उस पद हेतु बाहर से नहीं आयेगा तथा जो भी सम्भावित रोजगार होगा वह अपने क्षेत्र के युवाओं ही को दिया जायेगा। उद्योग लगता है तो ठेकेदारों को काम मिलता है और समृद्धि बढ़ती है, जिससे ठेकेदार, ट्रांस्पोर्टर तथा गॉव वालों का उद्धार होगा।

श्री आशुतोष चौहान, सहायक पर्यावरण अभियन्ता, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, बुलन्दशहर द्वारा सी0एस0आर0 के प्रस्ताव के बारे में पूँछा गया।

श्री अशीष अवस्थी, महाप्रबन्धक, मै0 त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज लि0, मुख्यालय, नोयडा द्वारा अवगत कराया गया कि इकाई के लगने के बाद क्षेत्र के स्कूलों, अस्पतालों, विभिन्न प्रकार के स्वास्थ्य सम्बन्धी कैम्प, बच्चों के लिए किताबें, कापियां व अन्य कार्य सी.एस.आर के माध्यम से कराए

Scanned by CamScanner

ायेगें जो क्षेत्र के विकास में भागीदारी निभाएगें। उनके द्वारा क्षेत्र के कृषकों से वायदा किया गया कि इस ईकाई के लगने से जो फायदा/लाभ होगा उसका 2 प्रतिशत लाभ क्षेत्र के विकास पर खर्च किया जाएगा।

पर्यावरण परामर्शी डा0 मनोज गर्ग, इन्वायरनमेन्टल एण्ड टेक्निकल रिसर्च सेन्टर, गोमती नगर, लखनऊ द्वारा कहा गया कि कि इस इकाई को लगाने में पर्यावरण सम्बन्धी सभी मानकों को पूर्ण करते हुये प्रस्ताव तैयार किया गया है, जिससे कोई जल एवं वायु प्रदूषण की समस्या नहीं होगी तथा आसवानी इकाई द्वारा कुल लाभ का 02 प्रतिशत भाग सी0एस0आर0 पर खर्च किया जायेगा।

परामर्शी डा0 मनोज गर्ग, इन्वायरनमेन्टल एण्ड टेक्निकल रिसर्च सेन्टर, गोमती नगर, लखनऊ द्वारा कहा गया कि आसवानी इकाई के कुल लाभ का 02 प्रतिशत भाग सी0एस0आर0 पर खर्च किया जायेगा, जिसमें बिजली, शौचालय तथा नलकूप, विद्यालय की स्वच्छता आदि।

परामर्शी डा0 मनोज गर्ग, इन्वायरनमेन्टल एण्ड टेक्निकल रिसर्च सेन्टर, गोमती नगर, लखनऊ द्वारा कहा गया कि आस–पास गॉवों के लगभग–08 स्थानों के नमूने लिये गये है, जिनके रिजल्ट के अनुसार कोई प्रदूषण की समस्या नहीं है।

श्री अभिषेक रघुवंशी, ग्राम प्रधान, ग्राम अटेरना, तहसील–खुर्जा, जनपद बुलन्दशहर द्वारा प्रबन्धतंत्र से कुछ महत्वपूर्ण सवाल पूछे गए जो निम्न प्रकार हैः–

1. इस इकाई से जो बिजली उत्पादित होगी क्या उसका लाभ क्षेत्र के कृषकों को सीधे मिलेगा?
2. क्या क्षेत्र के लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होगे? यदि होगें तो क्या प्रबन्धतंत्र इसको लिखित में देगा?
3. क्या चीनी मिल गन्दे नाले की सफाई लगातार कराने के लिए लिखित में देगी?
4. क्या आसवनी लगने के बाद गन्ना भुगतान में कोई सुधार होगा। क्या इस ईकाई के लाभ के पैसों को गन्ना भुगतान करने में प्रयोग किया जाएगा ?

श्री अशीष अवस्थी, महाप्रबन्धक, मै0 त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज लि0, मुख्यालय, नोयडा द्वारा अवगत कराया गया कि मिल में जो बिजली का उत्पादन होगा, उसे सीधे उ0प्र0 राज्य विद्युत कारपोरेशन का दिया जायेगा। बिजली देना सरकार के अधीन होगा। मिल द्वारा सीधे गॉवों को बिजली सरकार की नीति के अनुसार नहीं दी जा सकती है।

श्री नरेश पाल ईकाई प्रमुख मै0 त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज लि0, ग्राम साबितगढ़, तहसील खुर्जा, जनपद बुलन्दशहर द्वारा कहा गया कि लिखित में देने के विषय में उन्होनें कहा कि साबितगढ़ चीन मिल की साख अभी भी लोगों में बरकरार है और क्षेत्र के कृषक हमारी बातों पर विश्वास करते हैं। दूसरा समय–समय पर नाले की सफाई कराई जाती रही है और आगे भी कराई जाती रहेगी। इसके अतिरिक्त जब भी इस क्षेत्र के प्रगतिशील किसान हमारे पास आकर किसी नाले की सफाई कराने के लिए अनुरोध करेगें तो हम इस नाले की सफाई करवा देगें। श्री नरेश पाल जी द्वारा यह भी कहा गया कि आसवनी /बिजली के उत्पादन से प्राप्त लाभ राशि का उपयोग गन्ना मूल्य के भुगतान करने में भी किया जाएगा।

परामर्शी डा0 मनोज गर्ग, इन्वायरनमेन्टल एण्ड टेक्निकल रिसर्च सेन्टर, गोमती नगर, लखनऊ द्वारा कहा गया कि इस इकाई को चलाने के लिए 720 टन शीरा रोज चाहिए जिसके लिए आप लोगों को अपना गन्ना क्षेत्रफल बढ़ाना पड़ेगा। गन्ना क्षेत्रफल बढ़ने से चीनी मिल की पेराई क्षमता भी बढ़ेगी जिस पर चीनी मिल के मुख्य महाप्रबन्धक द्वारा कृषकों को बताया गया कि चीनी मिल अपनी पेराई क्षमता बढाने पर भी प्रयासरत है।

श्री आशीष अवस्थी, टेक्निकल एण्ड कोर्डिनेटर, मै0 त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज लि0, मुख्यालय, नोयडा द्वारा कृशकों को बताया गया कि इकाई को चलाने के लिए हमें दूसरी फैक्ट्री से भी शीरा मंगाना पड़ सकता है जिससे इकाई सुचारू रूप से चल सके तथा उद्योग से प्राप्त धनराशि का प्रयोग गन्ना मूल्य भुगतान में भी किया जा सके।

Scanned by CamScanner

अपर जिलाधिकारी, (प्रशासन), बुलन्दशहर द्वारा अन्त में कृषकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप सभी से आसवनी इकाई लगाने हेतु अपनी स्वीकृति देने हेतु कहा गया, जिस पर कृषकों समस्त कृषकों ने अपने–अपने हाथ उठा कर इकाई लगाने के लिए अपनी सहमति व्यक्त की। इस इकाई के लगने से क्षेत्र व देश का फायदा होगा। इस इकाई से जनित स्पेन्ट वॉश (अपशिष्ट) का प्रयोग ईधन के रूप में किया जायेगा। आसवनी से प्राप्त धनराशि का उपयोग आपके गन्ना मूल्य भुगतान में किया जा सकता है जिसका लाभ सीधे आपको ही मिलेगा। सबसे अच्छी बात यह है कि इससे किसी भी प्रकार का कोई प्रदूषण क्षेत्र में नहीं होगा। उन्होनें कृषकों को बताया कि इस उद्योग से लाभांश धनराशि का 2 प्रतिशत पैसा क्षेत्र के विकास कार्यो जैसे–स्कूल, कालेजों के निमार्ण कार्य, बच्चों की ड्रेस व किताबों, ग्रामों में शौचालय निमार्ण, विभिन्न प्रकार के स्वास्थ कैम्पों आदि में व्यय किया जाएगा जिससे सफल भविष्य के बेहतर परिणाम सामने आएगें। उन्होनें किसानों को बताया कि चीनी उद्योग मूल्य गिर जाने के कारण चीनी मिल को गन्ना भुगतान करने में परेशानी आ रही है। यह तो आप भी जानते है कि नुकसान के समय कोई भी व्यक्ति और नुकसान उठाना नहीं चाहता। कोई भी उद्योग लगाने के लिए पैसों की आवश्यकता होती है। यदि फिर भी कोई कमी रह जाती है तो उस कमी को दूर करने का हर सम्भव प्रयास किया जाएगा।

कृषकों का ध्यान आकर्षित करते हुए उन्होनें बताया कि राज्य में शीरे की खपत नहीं होने के कारण साबितगढ़ चीनी मिल का शीरा शून्य मूल्य पर रेल (मालगाड़ी) द्वारा तमिलनाडु भेजा जा रहा है। यदि यहां यह आसवनी स्थापित होती है तो न केवल साबितगढ़ चीनी मिल के शीरे की खपत होगी बल्कि अन्य चीनी मिलों के शीरे की खपत कर इससे बने इथेनाल से धन की कमाई होगी जिससे गन्ना मूल्य भुगतान में सहयोग मिलेगा।

क्षेत्रीय अधिकारी, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, बुलन्दशहर द्वारा कहा गया कि प्रस्तावित आसवनी इकाई की स्थापना हेतु इकाई द्वारा शून्य उत्प्रवाह निस्तारण व्यवस्था का प्रस्ताव दिया है, जिससे किसी प्रकार का औद्योगिक उत्प्रवाह उद्योग परिसर के बाहर निस्तारित नहीं होगा। क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा सभा में आए कृषकों का आभार व्यक्त किया एवं अध्यक्ष, महोदय की अनुमति के उपरान्त आयोजित लोकसुनवाई की समापन की घोषणा की गयी।

अक्षर मुख्य अधिकारी,
जिला पंचायत,
बुलन्दशहर।

(एस0सी0 गर्ग)
अपर सांख्यिकी अधिकारी
जिला उद्यम प्रोत्साहन केन्द्र,
बुलन्दशहर।

(आशुतोष चौहान)
सहायक पर्यावरण अभियन्ता
उ0प्र0प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड,
बुलन्दशहर।

(जी0एस0 श्रीवास्तव)
क्षेत्रीय अधिकारी
उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड,
बुलन्दशहर।

(अरविन्द कुमार मिश्र)
अपर जिलाधिकारी,(प्रशासन)
बुलन्दशहर।

मुख्य पर्यापवरण अधिकारी,(वृत्त–4)/सदस्य सचिव, महोदय,

Scanned by CamScanner